ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 48 **अंक 4** **अक्तूबर 2024**

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1. लोककथाओं में अंतर्निहित सामाजिक कौशल — ऋषभ कुमार मिश्र, शुभम कुमार पति — 5
   एक शिक्षणशास्त्रीय विवेचना
2. मौखिक परंपरा से डिजिटल कथा तक — शुभिका शाह, अंजली शौकीन — 19
   डिजिटल युग में लोककथाओं का एक समकालीन विश्लेषण
3. हिंदी भाषा की पाठ्यपुस्तक 'वीणा' — रवींद्र कुमार, सुरक्षा — 26
   संक्षिप्त परिचय
4. हिंदी की पाठ्यपुस्तकें 'सारंगी' और 'वीणा' का विश्लेषण — सिरिसिल्ला चंदना — 34
   एक शैक्षिक दृष्टिकोण से
5. कक्षा 3 की गणित पाठ्यपुस्तक में पाठ्यसामग्री की गुणवत्ता — अनूप कुमार राजपूत, शहनाज़, तरन्नुम खुर्शीद — 47
   एक समीक्षा
6. कक्षा 3 की पाठ्यपुस्तक 'हमारा अद्भुत संसार' द्वारा बच्चों में परिवेश के प्रति संवेदनशीलता का विकास — अभय कुमार, कमलेश कुमार यादव — 61
7. भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और संवैधानिक मूल्य — सुमन यादव — 69
   एक अध्ययन
8. समावेशी शिक्षा तथा विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 — सुमित गंगवार, राज गुप्ता — 78
   एक विमर्श

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी NCERT
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (रा.शै.अ.प्र.प.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं— (i) अनुसंधान और विकास, (ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार। यह डिजाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर जिले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य ईशावास्य उपनिषद् से लिया गया है जिसका अर्थ है— विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

9.	निपुण भारत मिशन के अंतर्गत समावेशी तथा समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु हरियाणा राज्य द्वारा किए जा रहे प्रयास	चेतना जठोल परगट सिंह जठोल	91
10.	बच्चों से बातचीत और उनसे बनी कविताएँ	रितिका श्रीवास्तव	97
11.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कला शिक्षा एक परिप्रेक्ष्य	सुष्मिता लखयानी	101
12.	स्वामी विवेकानंद का शिक्षा तत्व राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में	पवन सिन्हा	111
13.	जीवन के महत्वपूर्ण कौशल और बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान एक विश्लेषणात्मक दृष्टि	उषा शर्मा	121

विशेष

14.	हमारा अद्भुत संसार (कक्षा 3) पाठ्यपुस्तक के बारे में		136

बालमन कुछ कहता है

15.	मेरी प्यारी माँ	इशिका यादव	139
	चींटी और हाथी	युग जैसवाल	140

कविता

16.	कारीगर हूँ साहब!	दलवंती सहरावत	141
	मैं भी पढ़ने जाऊँगा	कमलेंद्र कुमार	143